से अधिक रुपये की प्रतिमाह उगाही करते हैं, इसके फलस्वरूप बस मालिक परेशान होकर बसें बन्द करने पर विचार कर रहे हैं?

(ख) क्या केन्द्र सरकार दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार को इस वसूली को तत्काल प्रभाव से रोकने एवं माफियाओं पर सख्त कार्रवाही करने के लिए निर्देश जारी करेगी; और

(ग) यदि हां, तो सरकार क्या कार्यवाही करेगी और कब तक?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा॰ देवेन्द्र प्रधान): (क) सरकार को ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Improving of road infrastructure in Andhra Pradesh

295. DR. Y. LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the State Government of Andhra Pradesh has requested for grant for road widening works on National Highways and for improving road infrastructure in the State;

(b) if so, the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) Yes, Sir.

(b) A sum of Rs. 40 crore has been made available to the Government of Andhra Pradesh for develolpment of National Highways during 1988-1999.

Diversion of Certain posts from the office of the Development Commissioner for Handlooms to the Head-Quarters

296. DR. D. VENKATESHWAR RAO:
SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether some posts sanctioned for field units of the Office of the Development Commissioner for Handlooms were transferred along with incumbents to Head Quarters Office and subsequently absorbed, against provisions of prescribed Recruitment Rules;

(b) whether such action has not deprived field units of their sanctioned strength;

(c) whether timely action has not been taken to have vacancies at Head Quarters office filled; and

(d) if so, the remedial action proposed to do justice to the weavers?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) The transfer of posts alongwith the incumbents has been done but it does not attract provisions of Recruitments Rules. Therefore, the question of these transfers being against provisions of prescribed Recruitment Rules does not arise.

(b) Allocation of posts in field units is being made from time to time as per requirement.

(c) Filling up of the vacancies at Headquarters office is a continuous process and the vacancies are being filled up from time to time in accordance with the Recruitment Rules.

(d) The posts were transferred from field units for coordinating the work of field units. Thus, no remedial action is required.

वस्त्र उद्योग में आर्थिक मंदी

297. **श्री सरोज दुबे:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कपड़ा मार्किट में आर्थिक मंदी और उससे उत्पन्न अनिश्चिता की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो इस मंदी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) से (ग) सरकार वस्त्र उद्योग के विकास पर कड़ी निगरानी

रख रही है और प्रौद्योगिकीय उन्नयन के साथ-साथ स्तर के कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार लाने के माध्यम से उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने के कदम उठा रही है। निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से सूती यार्न का उत्पादन कर रहे निर्यातोन्मुख एककों के लिए मानदंडों में ढील दी गयी है तथा निर्यातकों को क्रेता विक्रेता बैठकों और अंतर्राष्ट्रीय मेलों व प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए अत्यधिक उदारता का परिचय दें। मौजूदा नीतिगत ढांचे की पुनरीक्षा करने के लिए एक प्रोत्साहित किया जाता है। वित्तीय संस्थानों और बैंकों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे सामान्यतया वस्त्र उद्योग के साथ-साथ निर्यातकों की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक विशेषज्ञ समूह गठित किया गया है जो कि उद्योग को धरट देने के लिए सिफारिशें करेगा।

वस्त्र मिलों में रुग्णता

298. **श्री बलवंत सिंह रामूवालिया:**
श्री वरजिन्दर सिंह:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान कपड़ा मिलों में रुग्णता बढ़ जाने के कारण बंद होने वाली मिलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है ;

(ख) यदि हां, तो अप्रैल, 1996 और मई, 1998 में क्रमशः बंद कपड़ा मिलों की संख्या क्या थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपड़े के उत्पादन के लिए देश में कपास प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और श्रम-शक्ति का भी अभाव नहीं है; और

(घ) यदि हां, तो कपड़ा मिलों के निरंतर बंद होने के क्या कारण हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) और (ख) 30.4.96 और 31.5.98 तक बंद पड़ी हुई सूचित की गई सूती/मानव निर्मित फाइबर वस्त्र मिलों की संख्या क्रमशः 195 और 254 थी।

(ग) वर्ष 1997-98 के दौरान कपास का उत्पादन लगभग 152.25 लाख गांठ था प्रत्येक गांठ 170 किग्रा०, जो कि इस समय पर्याप्त है। 31.3.98 तक की स्थिति अनुसार सूती/मानव निर्मित फाइबर वस्त्र मिलों की नामावलियों में लगभग 10 लाख कामगार थे।

(घ) यद्यपि कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया जा सकता फिर भी वस्त्र मिलों के बंद होने के अनेक कारण माने जा सकते हैं जिनमें अप्रचलित प्रौद्योगिकी, अंतर्निविष्टियों की लागत में वृद्धि, समय पर तथा पर्याप्त कार्यशील, वित्त प्राप्त करने में कठिनाइयां, कुप्रबंध आदि शामिल हैं।

वस्त्र मिलों में आर्थिक मंदी

299. **श्री धर्मपाल यादव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश का कपड़ा उद्योग भयंकर आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है;

(ख) क्या सरकार व्यवसायियों को आर्थिक मंदी से बचाने के लिए कोई प्रभावी कार्यवाही कर रही है;

(ग) क्या सरकार कपड़ा उद्योग की उत्पाद-शुल्क संबंधी समस्या का समाधान करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): दक्षिण-पूर्व एशियाई मुद्रा संकट विशेषतः वस्त्र निर्यात पर विपरीत प्रभाव के कारण, वस्त्र उद्योग में विकास कुछ हद तक काफी मंदा हुआ है।

(ख) से (घ) कच्चे माल की गुणवत्ता में सुधार, प्रौद्योगिकी के उन्नयन, वित्तीय समायोजन तथा ऋण के अपेक्षित प्रवाह को सुनिश्चित करने के माध्यम से सरकार द्वारा वस्त्र उद्योग की स्पर्धा को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

Import of Textile Products

300. SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state: